8 जनवरी 2019

प्रेस विज्ञप्ति

बच्चों के लिए कुछ खास है : विश्व पुस्तक मेला

मेले के चौथे दिन भी प्रगति मैदान में पुस्तक प्रेमियों की भीड़ देखने को मिली। आज सुबह से अच्छी धूप खिली तो दिल्लीवासियों ने धूप का भरपूर लाभ लेते हुए आज का दिन पुस्तकों के बीच बिताने का निर्णय लिया। दुर्लभ और दिलचस्प किताबें एक जगह मिलने की वजह से पुस्तक मेला हर पुस्तक प्रेमी के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहता है। यही कारण है कि आज 50 हज़ार से अधिक पुस्तक प्रेमी पुस्तक मेला देखने आए।

बाल मंडप

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, बच्चों के लिए अलग ही रोमांच लेकर आता है। अभिभावक बच्चों की मनपसंद पुस्तकें खरीद कर खूब आनंद ले रहे हैं। पुस्तक मेले में (हॉल सं. 7 एच के पास हैंगर) विशेष रूप से बच्चों के लिए बना रचनात्मक बाल मंडप प्रतिदिन कार्यक्रमों एवं गतिविधियों से गुलज़ार रहता है।

यहाँ दिनभर नाटक, प्रहसन, कठपुतली प्रदर्शन, कथावाचन, बाल साहित्यकारों से भेंट, नुक्कड़ नाटक एवं अनेक सृजनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं जिनका विभिन्न विद्यालयों एवं स्वयंसेवी संगठनों से आए बच्चे भरपूर आनंद उठा रहे हैं। यहाँ बच्चों के साथ आने वाले अभिभावक तथा अध्यापक भी स्वयं बच्चे बन इन कार्यक्रमों का लुत्फ ले रहे हैं। बाल मंडप पर आकर बच्चों की कल्पनाओं को पंख लग जाते हैं और वे इन कल्पना रूपी पंखों से आकाश में उड़ान भर रहे हैं।

यहाँ आयोजित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों में बच्चे, अपने अनुभव और किस्से–कहानियाँ सुनाकर अत्यंत उत्साहित हैं, उनकी इस उत्सुकता को देख ऐसा प्रतीत होता है कि सर्दियों की छुट्टियों में बच्चों के लिए पुस्तक मेला एक रोमांचक स्थान साबित हो रहा है। जहाँ आकर उन्हें आकर्षक पुस्तकों के साथ–साथ ज्ञानवर्धक गतिविधियों में भाग लेने के अवसर भी मिल रहे हैं।

आज बच्चों के इस रचनात्मक मंडप पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित कहानी–वाचन सत्र आयोजित किया गया जिसका संचालन प्रसिद्ध बाल साहित्यकार, दीपा अग्रवाल द्वारा किया गया। उन्होंने बच्चों को बताया कि कहानियों ने उन्हें हमेशा से ही आकर्षित किया है तथा कहानी–लेखन के लिए वह सदैव उत्साहित रहती हैं। उन्होंने कहानी लिखने के तरीकों के बारे में बच्चों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर दीप फाउंडेशन और बच्चन सोसाइटी के बच्चे उपस्थित थे। दीपा अग्रवाल ने बच्चों को नैतिक

मूल्यों और मित्रता जैसे विषयों पर आधारित कहानियाँ सुनाईं। सभी बच्चों ने पूरे उत्साह से इसमें भाग लिया।

आज यहाँ एकलव्य स्वयंसेवी संगठन द्वारा 'बाल साहित्य पर चर्चा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संपादक दीपाली शुक्ला, पिकल योक बुक्स की रिचा झा तथा बच्चों की लेखिका रिनचिन उपस्थित थीं। यहाँ उपस्थित वक्ताओं ने बाल साहित्य पर चर्चा की जिसमें अभिभावकों ने भी अनेक प्रश्न पूछे। कार्यक्रम में बच्चों ने कहानी लेखन के अपने अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर बच्चों की पुस्तकों का लोकार्पण बच्चों द्वारा ही करवाया गया जिनमें शामिल हैं : *अजूबा, स्कूल में तांता, बचपन की बातें, आबू–साबू, ठाँव–ठाँव घूम, चश्मा नया है* आदि।

थीम मंडप

दिव्यांगजनों की पठन आवश्यकताओं पर आधारित थीम मंडप पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास तथा ऑल इंडिया कॉन्फेडेरेशन ऑफ द ब्लाइंड द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें दृष्टिबाधित कवियों द्वारा अनेक कविताएँ सुनाई गईं। कार्यक्रम में उपस्थित कवियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से फ्रांस के शिक्षाविद् तथा ब्रेल लिपि के अन्वेषक लुई ब्रेल की महानता को सराहा। इस अवसर पर उपस्थित थे : श्री लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, डॉ. सारस्वत मोहन 'मनीषी', श्री महेंद्र शर्मा ,डॉ. प्रेम सिंह, डॉ. राम अवतार शर्मा, श्री दयाल सिंह पँवार, श्री ए. के. दीक्षित, श्री अनुराग पाठक और सुश्री बिमला नेगी।

इवेंट्स कॉर्नर – शारजाह मंडप

शारजाह मंडप में 'अमीरात पब्लिशर्स' एसोसिएशन' की ओर से 'अमीरात के किस्से दुनिया को बताने के दौरान इलेक्ट्रॉनिक सामग्री विकसित करने पर अनुवाद संबंधी चुनौतियाँ' विषय पर चर्चा आयोजित की गई। यहाँ उपस्थित वक्ताओं ने बताया कि अनुवाद दूसरी भाषाओं में लिखी गई पुस्तकों में समाहित संस्कृति को जानने का ज़रिया है तथा किस प्रकार पुस्तकों के अनुवाद करने में विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

इस मंच पर शारजाह पुस्तक प्राधिकरण द्वारा 'मिरर्स : काव्य–पाठ' का आयोजन किया गया तथा अरब चिल्ड्रन बुक पब्लिशर्स फोरम द्वारा 'अरब और भारतीय प्रकाशकों के बीच सहयोग : अरब और बच्चों की किताबों के प्रकाशकों के बीच एक संयुक्त बैठक' का आयोजन भी किया गया।

शारजाह मंडप में अमीरात और भारतीय सिनेमा पर एक चर्चा का आयोजन किया गया। सत्र के दौरान डॉ. हबीब गुलूम ने चर्चा की कि भारतीय सिनेमा ने अमीरात के साथ–साथ अमीरात के लोगों को कैसे प्रभावित किया है। उन्होंने बताया कि हेमा मालिनी, धर्मेन्द्र, श्रीदेवी, शत्रुघ्न सिन्हा जैसे भारतीय कलाकार अमीरात में लोकप्रिय हैं। उन्होंने बताया कि अमीरात के लोग सिनेमा के माध्यम से भारतीय संस्कृति और लोगों के करीब आए हैं।

साहित्यिक गतिविधियाँ

लेखक मंच पर आज सुरुचि प्रकाशन द्वारा 'पुस्तक परिचय एवं परिचर्चा' आयोजित की गई जिसमें दो पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। इस कार्यक्रम में एनबीटी के अध्यक्ष, प्रो. बल्देव भाई शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हरीन्द्र कुमार ने किया। यहाँ सुरुचि प्रकाशन के प्रबंधक श्री गौतम सपरा भी उपस्थित थे।

जर्मन बुक ऑफिस द्वारा रिफ्लेक्शंस एवं कनवर्सेशंस (ऑथर्स कॉर्नर, हॉल नंबर 8) में प्रसिद्ध लेखक डॉ. क्यू ए आशोब के साथ एक बातचीत आयोजित की गई। सत्र का संचालन मोनिका ने किया। कार्यक्रम में डॉ. आशोब ने अपनी पुस्तक *'ओपन सीक्रेट–अ की टू सक्सेस'* के बारे में चर्चा की। लेखक ने अवचेतन मन के बारे में भी बात की। उनके अनुसार, जो चीजें हम देखते हैं, उन्हें अवचेतन मन में छवियों के रूप में अंकित करते हैं और बाद में इन छवियों को शब्दों का रूप देते हैं।